छपे हुए पृष्ठों की संख्याः 1
परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय1, हैदराबाद
कार्यपत्रक 1
विषयः संस्कृत   कक्षाः सप्तम्
पाठः विश्वबन्धुत्वम्
नामः----------------   अनुक्रमांकः-----------   दिनांकः--------
पूर्णांकः 15   प्राप्तांकः------

1. मञ्जूषातः समानार्थकपदानि चित्वा लिखत - 3

परस्य,	आत्मानम्,	बाधितः,
परिवारः	सम्पन्नम्	त्यक्त्वा,

स्वकीयम् -----------------

अवरुद्धः -----------------

कुटुम्बकम् -----------------

अन्यस्य ----------------

अपहाय ----------------

समृद्धम् ----------------

2. मञ्जूषातः विलोमपदानि चित्वा लिखत - 3

अधुना,	मित्रतायाः,	लघुचेतसाम्,
गृहीत्वा,	दुःखिनः,	दानवाः

शत्रुतायाः --------------

पुरा -------------

मानवाः	-------------
उदारचरितानाम्	-------------
सुखिनः	-------------
अपहाय	-------------

3. अधोतिखितपदानां लिङ्गम्, विभक्तिं, वचनञ्च लिखत - 3

पदानि	**लिङ्गम्**	**विभक्तिः**	**वचनम्**
बन्धुः	--------	--------	--------
देशान्	--------	--------	--------
घृणायाः	--------	--------	--------

4. कोष्ठकेषु दत्तेषु शब्देषु समुचितां विभक्तिं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत - 3

(क) ---------- उभयतः गोपालिकाः। (कृष्ण)

(ख) ------- नमः। (गुरु)

(ग) ------- उपरि सैनिकः। (अश्व)

5. कोष्ठकात् समुचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत - 3

(क) ---------- नमः। (हरिं / हरये)

(ख) ---------परितः कृषिक्षेत्राणि सन्ति। (ग्रामस्य / ग्रामम्)

(ग) -------- नमः। (अम्बायाः / अम्बायै)